कोरोना वायरस रोग (कोविड-19)
मिथक और तथ्य

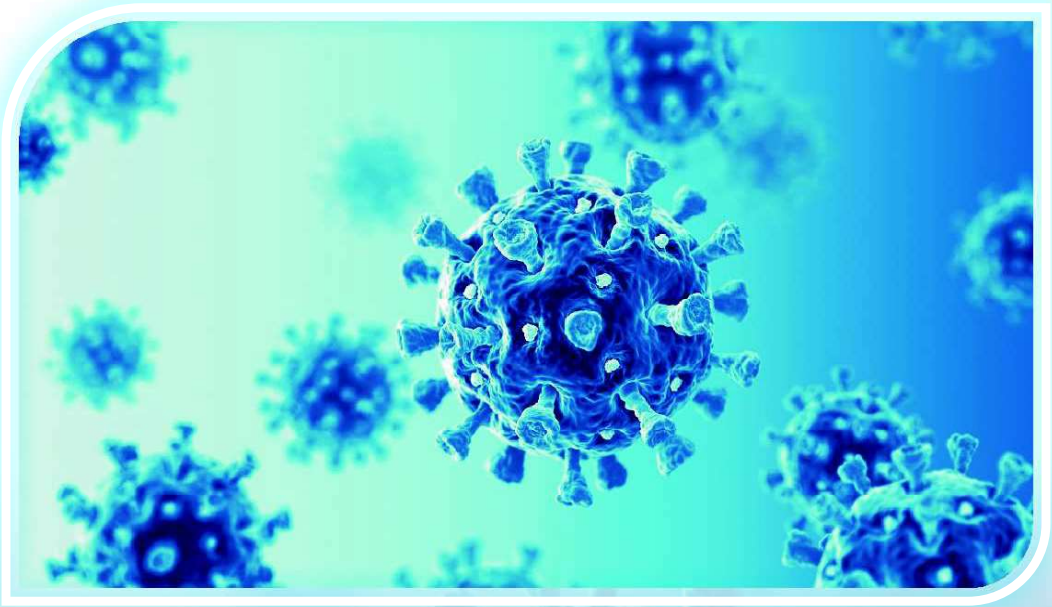

सेंटर फॉर एडवांस एग्रीकल्चर सांइस एंड टेक्नोलोजी
एडवांस सेंटर फॉर लाइव स्टॉक हेल्थ
(कास्ट- ए सी एल एच), एन ए एच ई पी (आई सी ए आर)
भा0 कृ0 अ0 प0–भारतीय पशु–चिकित्सा अनुसंधान संस्थान,
(डीम्ड टू बी युनिवर्सिटी) इज्जतनगर, बरेली–243122 (उ0 प्र0) भारत

	COVID-19 श्वसन की बूंदों से फैलता है जब एक संक्रमित व्यक्ति खांसता है, छींकता है या बोलता है लोग दूषित सतह को छूने के बाद अपनी आंख, मुंह या नाक को छूने से भी संक्रमित हो सकते हैं।
क्या कोनोवायरस पालतू पशुओं द्वारा फैल सकता है?	नहीं, अभी तक पशुओं से इंसानों में इस रोग के संक्रमण के कोई साक्ष्य नहीं मिले हैं।
क्या कोरोनोवायरस पशुओं के मांस से फैलता है?	नया कोरोनोवायरस मुख्यतया एक श्वसन तंत्र को संक्रमित करने वाला विषाणु है, एवं एक संक्रमित व्यक्ति के संपर्क में आने पर सांस की बूंदों के माध्यम से ही फैलता है। अच्छी तरह से पके पशुओं के माँस के सेवन से यह रोग नहीं फैलता है।
क्या किसी पशु स्रोत से 2019-nCoV से मनुष्य संक्रमित हो सकते हैं ?	कई ज्ञात कोरोनोवायरस जो पशुओं को संक्रमित करते हैं लेकिन अभी तक मनुष्यों को संक्रमित नहीं किया है। जानवरों से मनुष्यों में Covid-19 के संक्रमण के साक्ष्य अभी तक नहीं मिले हैं।
क्या फ्लू या सर्दी होने का मतलब है कि किसी व्यक्ति में कोरोनोवायरस है?	कोरोनावायरस या लू या सर्दी से संक्रमित लोग आमतौर पर साँस की समस्या , बुखार, खांसी और बहती नाक जैसे समान्य लक्षण विकसित कर सकते हैं। इसलिए, प्रयोगशाला परीक्षणों द्वारा जांच करना ही 2019-nCoV की पुष्टि करने का सबसे अच्छा तरीका है। वास्तव में, डब्ल्यूएचओ ने ऐसे लोगों के लिए, जिन्हें खांसी, बुखार और सांस लेने में कठिनाई होती है, संस्तुति दी है की उन्हें जल्द ही चिकित्सा सुविधा लेनी चाहिए। ऐसे लोगों को डॉक्टरों को विवरण देना चाहिए कि क्या उन्होंने कहीं भी यात्रा की थी, या यदि वे किसी ऐसे व्यक्ति के साथ संपर्क में थे, जिसके 2019-nCoV के लक्षण थे।
क्या चीन या किसी अन्य स्थान से जहां वायरस की पहचान की गई है, कोई भी पैकेज प्राप्त करना सुरक्षित है?	नहीं,पैकेज प्राप्त करने वाले लोगों को नए कोरोनावायरस के संक्रमण का खतरा नहीं है। डब्लूएचओ के अनुसार, इस तरह के वायरस वस्तुओं पर बहुत लंबे समय तक जीवित नहीं रहते हैं, जैसे चिट्ठियां अक्षर या अन्य पैकेज।

स्रोत विश्व स्वास्थ्य संगठन द्वारा जारी सलाह के आधार पर विकसित (www-who-int)

अनुवाद और संकलन

डॉ रूपसी तिवारी, प्रधान वैज्ञानिक एवं प्रभारी एटिक

डॉ अशोक कुमार तिवारी, प्रधान वैज्ञानिक एवं विभागाध्यक्ष, जैविक मानकीकरण विभाग

डॉ त्रिवेणी दत्त, प्रधान वैज्ञानिक एवं संयुक्त निदेशक (शैक्षणिक), सम–विश्वविद्यालय

डॉ. बबलू कुमार, वरिष्ठ वैज्ञानिक, जैविक उत्पाद विभाग

Printed by : ADIL-E-OFFICE MOB.: +91- 8395804304